वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 204 | बुधवार 20 नवम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

हेरिटेज निगम कमिश्नर ने किया शहर का औचक निरीक्षण

गंदगी देख अधिकारियों-कर्मचारियों को लगाई लताड़, बोले- लापरवाह लोगों के खिलाफ करें करवाई

जयपुर. कासं। राइजिंग राजस्थान और स्वच्छता सर्वेक्षण से पहले जयपुर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए अब नगर निगम हेरिटेज एक्टिव मोड में आ गया है। मंगलवार को नगर निगम कमिश्नर अरुण कुमार हसीजा ने शहर का औचक निरीक्षण किया है। इस दौरान उन्होंने शहर में जगह-जगह गंदगी और कचरा देख अधिकारियों और कर्मचारियों को लताड़ लगाई। वहीं गंदगी फैलाने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए। हेरिटेज निगम कमिश्नर अरुण कुमार हसीजा ने सिविल लाइन जोन इलाके में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान आयुक्त में कलेक्ट्री सर्कल, मीरा मार्ग, देवी मार्ग, पोलो विक्ट्री, हाथी बाबू मार्ग, सेशन कोर्ट परिसर में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। वहीं कालोनियों में घूम कर कमिश्नर ने स्थानीय निवासियों से डोर टू डोर कचरा संग्रहण का फीडबैक भी लिया। इस दौरान आयुक्त अरुण हसीजा ने कोर्ट परिसर में बने सुलभ कॉम्प्लेक्स में सफाई व्यवस्था देखी।

हमारा लक्ष्य राजस्थान में विदेशी और घरेलू पर्यटकों की संख्या बढ़ाना है: उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी

राजस्थान पर्यटन ने जीते दो प्रतिष्ठित पुरस्कार, राज्य को 'फेवरेट लीजर डेस्टिनेशन इन इंडिया' और 'फेवरेट इंडियन स्टेट फॉर रोड ट्रिप्स' पुरस्कार से नवाजा गया

जयपुर. कासं

राजस्थान पर्यटन को कॉन्डे नेस्ट ट्रैवलर रीडर्स ट्रैवल अवाड्र्स के दौरान दो प्रतिष्ठित श्रेणियों में पुरस्कार दिया गया है। राज्य को 'फेवरेट लीजर डेस्टिनेशन इन इंडिया' और 'फेवरेट इंडियन स्टेट फॉर रोड ट्रिप्स' पुरस्कार से नवाजा गया है। 'फेवरेट इंडियन स्टेट फॉर रोड ट्रिप्स' का अवार्ड राजस्थान को मिला है। जबकि फेवरेट लीजर डेस्टिनेशन इन इंडिया' का रनरअप अवार्ड उदयपुर को मिला है। पुरस्कार मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि राजस्थान को दो अलग-अलग श्रेणियों में प्रतिष्ठित कॉन्डे नास्ट ट्रैवलर रीडर्स ट्रैवल अवाड्र्स 2024 प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि विभिन्न ट्रैवल मार्ट और प्रदर्शनियों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से वैश्विक स्तर पर राजस्थान पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ है। हमारा लक्ष्य राजस्थान में विदेशी और घरेलू पर्यटकों की संख्या बढ़ाना है। पर्यटन विभाग के सचिव रवि जैन ने इन पुरस्कारों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कॉन्डे नेस्ट ट्रैवलर रीडर्स ट्रैवल अवाड्र्स हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में एक बेंचमार्क स्थापित करता है। यात्रियों द्वारा चुने गए, ये पुरस्कार दर्शाते हैं कि राजस्थान वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर एक लोकप्रिय डेस्टिनेशन है। जैन ने कहा कि राजस्थान पर्यटन को मिलने वाले पुरस्कार, प्रदेश पर्यटन के ध्येय वाक्य पधारो म्हारे देश को चरितार्थ करते हैं।

जनवरी से सितम्बर तक:-

16817114 देशी व 875940 विदेशी पर्यटकों ने घूमा जयपुर, जोधपुर व उदयपुर-

इस साल जनवरी से लेकर सितम्बर तक जयपुर, जोधपुर व उदयपुर घूमने आने वाले घरेलु पर्यटकों की संख्या एक करोड के पार जा चुकी है। बीते आठ महीने में 16817114 देशी पर्यटक राजस्थान के इन तीन जिले में पहुंचे। वहीं इन तीनों जिलों में विदेशी सैलानियों की संख्या आठ लाख के पार पहुंची, 875940 विदेशी पावणे जयपुर, जोधपुर व उदयपुर पहुंचे। राजस्थान में पर्यटन की दृष्टि से प्रमुख जिलों जैसे जयपुर, जोधपुर व उदयपुर में घरेलू व विदेशी पर्यटकों की संख्या से अंदाजा लगाया जा सकता है कि राजस्थान पर्यटन देसी-विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद है। इस साल जनवरी से लेकर सितम्बर तक जयपुर जिले में 8869703 घरेलू पर्यटक आए वही विदेशी मेहमानों की संख्या 413401 रही। जोधपुर जिले में देश से 1786619 सैलानी आए वहीं विदेशी सैलानियों की संख्या 133806 रही। उदयपुर में 6160792 देशी पर्यटकों ने घूमा वहीं यहां आने वाले विदेशी पावणों की संख्या 328733 रही।

प्रशिक्षण कार्यशाला में महिलाएं एवं बालिकाएं सीख रही पेंटिंग की बारीकियां

मुख्यमंत्री नारी शक्ति कौशल सामर्थ्य योजना के तहत हो रहा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। पंचायत समिति, सांगानेर ग्रामीण के मोहनपुरा में मुख्यमंत्री नारी शक्ति कौशल सामर्थ्य योजना के तहत 6 दिवसीय बेसिक पेंटिंग कोर्स का आयोजन किया जा रहा है। महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश डोगीवाल ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें बालिकाओं एवं महिलाओं को दीवार तथा लकड़ी एवं लोहे पर कलर करना सिखाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महिला अधिकारिता विभाग की अनोखी पहल है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरान्त बालिकाएं एवं महिलाएं रंग-रोगन का कार्य कर सकेगी। इस मौके पर डॉ. डोगीवाल ने बालिकाओं एवं महिलाओं को सशक्तिकरण की ओर अग्रसर होने तथा सभी को एक समूह के रूप में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

भगवान महावीर के जीवन पर विवादास्पद पुस्तक पर आधारित निबंध प्रतियोगिता को शिक्षा मंत्री ने किया निरस्त

जैन समाज ने शिक्षामंत्री मदन दिलावर का जताया आभार

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर के 2550 वें निर्वाणोत्सव पर राज्य के विद्यालयों में कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए 1 से 7 दिसंबर तक राज्य सरकार के माध्यमिक शिक्षा विभाग, बीकानेर की ओर से एक संस्था के सहयोग से आयोजित की जाने वाली निबंध प्रतियोगिता निरस्त कर दी गई है। इस सम्बन्ध में दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, कोषाध्यक्ष विवेक काला, प्रशासनिक समन्वयक भारत भूषण अजमेरा, धर्म जागृति संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम् जैन बिलाला, जैन बैंकर्स फोरम के अध्यक्ष भागचन्द जैन मित्रपुरा आदि संस्थाओं के प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षामंत्री मदन दिलावर से भेंट की और प्रतियोगिता को निरस्त करने के संबंध में राजस्थान जैन सभा सहित विभिन्न जैन संस्थाओं के प्रतिवेदन के साथ निवेदन किया था। इस कार्य में देवेंद्र टोंग्या कोटा व ज्ञान चन्द झाझरी पदमपुरा सहित समाज के गणमान्य व्यक्तियों का पूर्ण सहयोग रहा। प्रतियोगिता के निरस्त होने के आदेश जारी होने पर संपूर्ण जैन समाज ने मदन दिलावर शिक्षामन्त्री का आभार प्रकट किया।

छीपीटोला में संपन्न हुआ पिच्छिका परिवर्तन समारोह का आयोजन

आगरा. शाबाश इंडिया। मुनिश्री शिवदत्तसागर जी महाराज,मुनिश्री हेमदत्तसागर जी महाराज एवं मुनिश्री पदमदत्तसागर जी महाराज ससंघ का 19 नवंबर को भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन निर्भय श्रुत पावन वर्षायोग समिति के तत्वावधान एवं बाल ब्रह्मचारी सुनील भैय्या के कुशल निर्देशन में आगरा के छीपीटोला स्थित निर्मल सेवा सदन में बडे.ही हर्षोल्लास के साथ हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ बाहर से पधारे अतिथियों ने आचार्य श्री निर्भयसागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवम दीप प्रज्वलन के साथ किया। भक्तों ने मुनिसंघ का पाद प्रक्षालन किया और साथ ही शास्त्र एवं वस्त्र भेंट किए। इस अवसर पर छीपीटोला के समस्त मंडलों द्वारा अष्ट द्रव्यों की थाल सजाकर आचार्य श्री निर्भयसागर जी महाराज एवं मुनि श्री शिवदत्त सागर जी का पूजन कियो इस दौरान अन्तराष्टीय सतेन्द्र शर्मा दिल्ली द्वारा वैराग्य प्रदाता कुलभूषण देशभूषण नृत्य नाटिका का बहुत सुन्दर मंचन किया गया। निर्भय श्रुत पावन वर्षायोग समिति के पदाधिकारियों ने बाहर से पधारे सभी अतिथियों का माल पहनकर एवं प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत अभिनंदन किया।

20 नवंबर

HAPPY

MARRIAGE

ANNIVERSARY

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन जयपुर के
सेवाभावी, मृदुभाषी, कुशल नेतृत्वकर्ता अध्यक्ष

श्री राजेश जी-श्रीमती सीमा जी बड़जात्या

को वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक बधाई

शुभेच्छु: समस्त मित्रगण एवं परिवारजन

श्री एवं स्त्री श्रीजी बनने में बाधकः मुनि समत्व सागर

समोवशरण से निकली महावीर वाणी आत्मकल्याण में सहायकः मुनि श्री

जयपुर. शाबाश इंडिया

भक्ति भाव से जिनेंद्र देव को अर्पित किए अर्घ्य, धर्म नगरी में तब्दील हुई चित्रकूट कॉलोनी

सांगानेर थाना सर्किल स्थित चित्रकूट कॉलोनी के महावीर दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे आठ दिवसीय कल्पद्रुम महामण्डल विधान पूजा के दूसरे दिन मंगलवार को समोवशरण में विराजित जिनेंद्र देव के समक्ष श्रद्धालुओं ने जयकारों के बीच अर्घ्य अर्पित किये। समिति कोषाध्यक्ष सत्य प्रकाश कासलीवाल ने बताया कि मुनि समत्व सागर एवं शील सागर महाराज के सानिध्य में सुबह श्री जी के अभिषेक के बाद मंत्रोच्चार के साथ भक्तिमय शांति धारा की गई । शांति धारा का सौभाग्य ओमप्रकाश, आशीष कटारिया राज महल वालो ने प्राप्त किया। पारस कुमार ललित कुमार केकड़ी परिवार ने मुनिश्री के पाद पक्षालन किये एवं सुनील बडजात्या परिवार ने शास्त्र भेट किया। विधानाचार्य विकर्ष शास्त्री के निर्देशन में विधान के चक्रवर्ती कैलाश चन्द-राजेश देवी सोगानी, सौधर्म इन्द्र मूल चन्द-शांति देवी पाटनी, धनपति कुबेर केवल चन्द-संतोष देवी गंगवाल, महायज्ञ नायक पदम चन्द-चन्द्र कांता सिंघल के नेतृत्व में इंद्र इन्द्राणियों ने भक्ति भाव से अर्घ्य अर्पित किए। इस दौरान श्रद्धालु भजनों पर नृत्य कर प्रभु भक्ति कर रहे थे। आसपास का वातावरण भगवान के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। समिति सदस्य योगेश पाटनी ने बताया कि सायंकाल भक्तिभाव से संगीतमय महाआरती सत्यनारायण मित्तल परिवार द्वारा की गई जिसने संगीत की धुनो पर प्रभु आराधना की गई। इसके बाद श्री महावीर महिला मंडल द्वारा भव्य नाटिका का मंचन किया गया। प्रारंभ में मुनि शील सागर महाराज ने संगीतमय मंगलाचरण करते हुए ''महावीर संदेश सुनाते है हम, जिओ और जीने दो है जैन धर्म'' भजन सुनाया। मंदिर समिति के उपाध्यक्ष बाबू लाल बिलाला के मुताबिक विधान पूजा में मुनि समत्व सागर महाराज ने समोवशरण में विराजित होकर प्रवचन करते हुए कहा कि संपूर्ण जगत छः द्रव्यों से मिलकर बना है जो अनादि से है तथा अनंत तक रहेगा। इन छः द्रव्यों को जानने वाला अपने स्वरूप को प्रकट कर लेता है, यही जिनेंद्र प्रभु की दिव्य देशना का सार है। उन्होंने कहा कि जिस जिस जीव ने निज पर विजय प्राप्त कर ली है वही समोवशरण में जिनेंद्र के रूप में विराजमान होने का सौभाग्य प्राप्त करता है। भक्त से भगवान बनने की विद्या सीखने का सर्वोत्तम स्थान समोवशरण है। समोवशरण में खिरने वाली दिव्य देशना यदि अतरंग में उतर जाये तो जीवन का कल्याण संभव है। प्रवचन में महाराज ने श्री एवं स्त्री को श्रीजी बनने में बाधक बताते हुये कहा कि यदि भाव सुधारना है तो भावों को सुधारना पड़ेगा।

-विनोद जैन कोटखावदा

फिल्म निर्माता सावन चौहान की शॉर्ट फिल्म ''रक्षाबंधन'' बेस्ट ह्यूमन बॉन्डिंग अवॉर्ड से सम्मानित

गायक शकर साहनी, फेस्टिवल डायरेक्टर सुरज तिवारी ने किया सावन चौहान का सम्मान

आगरा. शाबाश इंडिया। 6वें ग्लोबल ताज इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में ब्लैक शीप स्टूडियो मुंबई द्वारा निर्मित, फिल्म निमार्ता सावन चौहान की शॉर्ट फिल्म ₹रक्षाबंधन₹ ए बॉन्ड ऑफ लव को बेस्ट ह्यूमन बॉन्डिंग अवॉर्ड से नवाजा गया। इस सम्मान के साथ ही, इस फिल्म ने सामाजिक रिश्तों और ह्यूमन बॉन्डिंग की गहराई को दर्शाने में अपनी अहम भूमिका निभाई। इस शॉर्ट फिल्म में आगरा के कलाकारों ने बेहतरीन अभिनय का प्रदर्शन किया, जिससे फिल्म को विशेष पहचान मिली। अवॉर्ड वितरण समारोह के दौरान, गायक शकर साहनी, फेस्टिवल डायरेक्टर सुरज तिवारी ने सावन चौहान का सम्मान किया इस दौरान फिल्म की पूरी टीम भी मंच पर उपस्थित रही। ब्लैक शीप स्टूडियो मुंबई द्वारा निर्मित शॉर्ट फिल्म 'रक्षाबंधन' ए बॉन्ड ऑफ लव के निमार्ता इसे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का एक लंबा रास्ता मानते हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा, -'रक्षाबंधन' फिल्म में ह्यूमन बॉन्डिंग के महत्व को गहराई से उजागर किया गया है, जो दर्शकों को रिश्तों की अहमियत और संवेदनशीलता को समझने पर मजबूर करती है। इस अवाड्र्स विनिंग फिल्म को आप यू ट्यूब पर भी देख सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, इस फिल्म का निर्माण केवल एक मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि एक सामाजिक संदेश देने की दिशा में एक कदम है, जो ह्यूमन बॉन्डिंग, रिश्तों की अहमियत और संवेदनशीलता के बारे में सोचने के लिए प्रेरित करता है। वहीं, फिल्म निर्माता और निर्देशक ने भविष्य में भी ऐसे संवेदनशील और समाज को जागरूक करने वाले विषयों पर काम करने का संकल्प लिया है। इस दौरान फिल्म कलाकार जतिनं सूर्यवंशी, साक्षी गुप्ता, रीता सागर, अनुज सागर, फिल्म निर्देशक - सुनील धाकरे, लेखक गौरवं कमार, प्रोडक्शन हेड दीपक सेन डीओपी सुनील राज आदि उपस्थित रहे। **रिपोर्टः संजय सागर सिंह**

टोडरमल दिगम्बर जैन आचार्य महाविद्यालय के विधार्थियों द्वारा लगाई गई झांकी को मिला श्रेष्ठतम पुरस्कार

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल द्वारा जयपुर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर कीर्ति नगर के सभागार में 108 मुनि श्री समत्व सागर जी महाराज, 108 मुनि श्री शील सागर जी महाराज एवं 108 मुनि श्री महिमा सागर जी महाराज के सानिध्य में सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। दिगम्बर जैन महासमिति की स्थापना के स्वर्णिम पचास वर्ष पूर्ण होने पर गत 50 वर्षों में विशेष सेवाएं प्रदान करने वाले समिति के वरिष्ठ सदस्यों का अभिनन्दन किया गया। गत दशलक्षण महापर्व के अवसर पर जयपुर के विभिन्न मण्डलों द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों व सुगंध दशमी पर सजाई झांकियों में से चयनित श्रेष्ठतम सांस्कृतिक कार्यक्रम व झांकी के संयोजकों भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वितराग विज्ञान महिला मण्डल बापू नगर द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम व टोडरमल दिगम्बर जैन आचार्य महाविद्यालय के विधार्थियों द्वारा सुगंध दशमी पर सजाई झांकी का चयन श्रेष्ठतम स्थान पर किया गया था। समारोह में प्रसिद्ध रत्न व्यवसायी विवेक काला से प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया पंडित टोडरमल स्मारक भवन के मुख्य समन्वयक वरिष्ठ पत्रकार हीरा चन्द बैद व महिला मण्डल की सचिव श्रीमती प्रमिला जैन, श्रीमती शीला पाटनी, श्रीमती राजेश बक्शी, श्रीमती प्रियंका जैन ।

वेद ज्ञान

संसार परिवर्तनशील है

यह संसार परिवर्तनशील है। इस संसार में कोई किसी का नहीं है। आप स्वयं में अकेले थे, हैं, और रहेंगे। जगत में संबंध बनते, बिगड़ते रहते हैं। स्मरण करें, जब आप प्रथम बार विद्यालय गए थे। दाखिला लेने के बाद उस विद्यालय में कितने लोगों से संयोग बना। कालांतर में धीरे-धीरे आगे बढ़ते गए, नए-नए संबंध बनने लगे और पुराने टूटते गए। जगत में रहते हुए संयोग बनते ही रहते हैं और बिगड़ते भी जाते हैं। जब संयोग बना, तब भी आप थे और जब वियोग हुआ, तब भी आप ही स्वयं थे, उसमें कोई परिवर्तन नहीं हुआ। आप वहीं के वहीं रहे। आपका अस्तित्व किसी के साथ संबंध बनने व समाप्त हो जाने के अधीन नहीं है। संयोग बनना व वियोग होना तो सांसारिक प्रपंच मात्र है। हां, संसार में जीवित रहने पर लोगों से संबंध बनते अवश्य हैं, परंतु यह संदेह रहित है कि सत्यस्वरूप आप अकेले थे और अकेले ही रहेंगे। मनुष्य का पारिवारिक संबंध जिसे अति आत्मीय व रक्त का संबंध कहा जाता है, जो सांसारिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण व सशक्त माना जाता है, ये संबंध भी स्थाई नहीं हैं। इस सत्यता का प्रकटीकरण तभी हो पाता है, जब कोई सबसे निकटतम प्रियजन जिससे कोई मनुष्य अतिस्नेह करता हो, जिसे अपना कहते-कहते उसकी जीभ थकती नहीं, जब वह इस संसार से विदा हो जाता है, तब उस मनुष्य के मस्तिष्क को जोरदार झटका लगता है और यह सच्चाई प्रकट हो जाती है कि इस जगत में कोई किसी का नहीं है। सभी इस जीवन के मार्ग में सफर करते हुए यात्री मात्र हैं। तभी वह सोते से जागता है। ढका हुआ सत्य पूर्ण रूप से प्रकट होकर सामने आ जाता है। वह ठहरकर सोचने लगता है कि अरे मैंने तो सोचा था कि संसार से विदा हो जाने वाले से हमारा कभी संबंध विच्छेद होगा ही नहीं, यह केवल मेरा मिथ्या भ्रम ही था। इस सांसारिक जीवन यात्रा में लोग बदलते हैं, समाज बदलता है और दुनिया बदलती है, मनुष्य का समय व आयु भी परिवर्तित हो जाती है, परंतु सत्य स्वरूप आप स्वयं के स्वयं ही रहते हो। आप पूर्ण सत्य स्वरूप हो। आपका यह स्वरूप कभी परिवर्तित नहीं होगा। जब आप इस सत्य का गहनता से अनुभव करते हैं, तब आपको जीवन में किसी भी तरह के वियोग पर दुख नहीं होता।

संपादकीय

रोजगारपरक शिक्षा

आए दिन अखबारों में ऐसा कुछ पढ़ने को मिलता है जिसमें देश में चपरासी की नौकरी के लिए लाखों ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट, बीटेक और एमबीए डिग्रीधारकों की दुर्दशा का वर्णन किया जाता है। ऐसी दिल दहला देने वाली खबरों पर कई विचारोत्तेजक प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। सवाल यह है कि जिन डिग्रियों से नौकरी नहीं मिलती, उन्हें बांटकर हम क्या हासिल करना चाहते हैं। वहीं, दुनिया में ऐसे कई मशहूर नाम हैं जिन्होंने कभी अपनी

स्कूली शिक्षा ठीक से पूरी नहीं की। लेकिन उन्होंने पूरी दुनिया में नाम और पैसा कमाने में अपना झंडा गाड़ दिया। उदाहरण के लिए, स्टीव जॉब्स, जो एप्पल कंपनी के मालिक हैं, कभी कॉलेज नहीं गए। फोर्ड मोटर कंपनी के संस्थापक हेनरी फोर्ड के पास प्रबंधन की डिग्री नहीं थी। जॉन डी. रॉकफेलर केवल स्कूल गए और दुनिया के सबसे बड़े तेल उद्यमी बन गए। मार्क ट्वेन और शेक्सपियर जैसे लेखक बिना कॉलेज शिक्षा के ही प्रमुख लेखक बन गए। पिछले 25 वर्षों में सरकार की उदार नीति के कारण देश भर के छोटे शहरों में तकनीकी शिक्षा और उच्च शिक्षा के लाखों संस्थान खुल गए हैं, जिनके संस्थापक या तो बिल्डर थे या भ्रष्ट राजनेता। जिन्होंने शिक्षा को व्यवसाय बनाया और अपना काला धन इन संस्थानों की स्थापना में लगाया। एक से एक भव्य भवन बनते गये। बड़े-बड़े विज्ञापन भी प्रसारित किये गये। लेकिन इन संस्थानों में न तो योग्य शिक्षक थे, न पुस्तकालयों में किताबें थीं, न प्रयोगशालाएं सुसज्जित थीं, लेकिन दावे ऐसे किये गये जैसे गांवों में आईआईटी खोल दिये गये हों। परिणामस्वरूप, भोले-भाले आम लोगों ने दबाव में आकर अपने बच्चों को महंगी फीस देकर इन तथाकथित संस्थानों और विश्वविद्यालयों में भेजा। इस पर लाखों रुपये खर्च किये गये. उनकी डिग्री प्राप्त करें। वे तो खुद बर्बाद हो गये, लेकिन मगर संस्थाओं के मालिकों ने ऐसी नकारात्मक डिग्रियां देकर करोड़ों रुपये हड़प लिये। वहीं दूसरी ओर इस देश के युवा मैकेनिक बिना किसी सर्टिफिकेट के सिर्फ हाथ से काम सीखकर इतने होशियार हो जाते हैं कि सड़क के किनारे अवैध लकड़ी की झोपड़ी रखकर भी आराम की जिंदगी जीते हैं। हमारे युवाओं की इस प्रतिभा को पहचानने और उसे आगे बढ़ाने के लिए अब तक कोई नीति क्यों नहीं बनाई गई? आईटीआई जैसे संस्थान बने भी तो उनमें से एक को छोड़कर बाकी बेरोजगारों के उत्पादन की फैक्ट्रियां बन गईं। क्योंकि व्यवहारिक ज्ञान का भी अभाव था। इस व्यावहारिक ज्ञान को सिखाने और सीखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं इतनी कम लागत वाली हैं कि सही नेतृत्व के प्रयासों से कम समय में ही देश में शिक्षा में क्रांति ला दी जा सकती है, जबकि जो शिक्षण अरबों डॉलर के बुनियादी ढाँचे के निर्माण के बाद किया जाता है। रुपए इंस्टीट्यूट बनाए गए हैं, वे युवाओं को न तो हुनर सिखा सकते हैं और न ही ज्ञान दे सकते हैं। बेचारा जवान न घर का रहता है, न घाट का।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

मुसीबत में मणिपुर

यह दुर्भाग्यपूर्ण है और चिंताजनक भी कि मणिपुर में स्थितियां नियंत्रित होती हुई नहीं दिख रही हैं। पिछले कुछ दिनों से मणिपुर एक बार फिर अप्रिय कारणों से चर्चा में है। कुछ समय पहले जब मणिपुर के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों के बीच संवाद-संपर्क का सिलसिला प्रारंभ किया गया था, तब यह आशा जगी थी कि राज्य में शांति बहाली का मार्ग प्रशस्त होगा, लेकिन अचानक एक के बाद एक ऐसी घटनाएं घटीं, जिनसे हालात बेकाबू होते दिखने लगे। मणिपुर के हालात किस कदर बिगड़ रहे हैं, इसका पता इससे चलता है कि वहां के कुछ इलाकों में अफस्पा को फिर से प्रभावी किया गया है। इसके साथ ही वहां अर्ध सैनिक बलों की पचास अतिरिक्त कंपनियों को भी भेजा जा रहा है। अशांति और उपद्रव को देखते हुए जिस तरह स्कूल-कालेज बंद करने और इंटरनेट सेवा बाधित करने की नौबत आ रही है, उससे यही प्रकट होता है कि इस राज्य को पटरी पर लाने में समय लग सकता है। चूंकि मणिपुर में अशांति जारी रहते हुए अच्छा-खासा समय बीत गया है, इसलिए स्थितियां और अधिक जटिल हो गई हैं। पहले वहां केवल मैतेई एवं कुकी समुदाय के बीच ही अविश्वास की खाई गहरी और चौड़ी हुई, फिर नगा समुदाय भी अपनी शिकायतें लेकर सामने आ गया। चूंकि मणिपुर में भाजपा के नेतृत्व वाली ही सरकार है, इसलिए केंद्र सरकार की यह जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है कि वह इस राज्य में उन कारणों का तत्परता से निवारण करे, जिनके चलते वहां अस्थिरता और अशांति व्याप्त है। यदि मणिपुर के अशांत हालात देश को उतना अधिक प्रभावित नहीं करते, जितना अन्य किसी राज्य की बिगड़ती स्थितियां दिल्ली में चिंता और चर्चा का कारण बन जाती हैं, तो इसका यह मतलब नहीं कि वहां के हालात सुधारने को सर्वोच्च प्राथमिकता न दी जाए। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि केंद्रीय गृह मंत्रालय मणिपुर के हालात की लगातार समीक्षा और निगरानी कर रहा है, क्योंकि प्रश्न यह है कि वहां स्थितियां सामान्य होने का नाम क्यों नहीं ले रही हैं? केंद्र सरकार को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि मणिपुर एक सीमावर्ती राज्य है और म्यांमार से कुकी लोगों की घुसपैठ का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। ध्यान रहे कि खुद म्यांमार विद्रोहियों की गतिविधियों से अस्थिरता से जूझ रहा है। ऐसे में भारत सरकार को मणिपुर में शांति स्थापित करने के लिए हर संभव प्रयत्न करने चाहिए। इसके लिए आवश्यक हो तो समूचे राज्य में अफस्पा लागू करने से भी नहीं हिचकना चाहिए। यह सामान्य बात नहीं कि मणिपुर बीते डेढ़ वर्ष से अराजकता और अशांति से जूझ रहा है। यदि वहां अशांति जारी रही तो अलगाववादी शक्तियों के साथ नशीले पदार्थों के कारोबार में लगे तत्वों का दुस्साहस तो बढ़ेगा ही, सामाजिक वैमनस्य को दूर करने में भी मुश्किलें आएंगी। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि भी खराब होगी।

इनकम टैक्स कॉलोनी विकास समिति द्वारा दिवाली मिलन समारोह संपन्न

एक आनंदमय उत्सव का हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

इनकम टैक्स कॉलोनी विकास समिति द्वारा दिवाली मिलन समारोह संपन्न ।16 नवंबर को आयोजित एक आनंदमय मिलन और मेल-मिलाप में 150 से अधिक निवासी उत्सव की भावना का जश्न मनाने के लिए एक साथ आए। इनकम टैक्स कॉलोनी विकास समिति द्वारा आयोजित यह एक शानदार कार्यक्रम था। जिसमें मौज-मस्ती, खेल, हाउजी, आतिशबाजी का सभी ने आनंद लिया। मौसम बहुत शानदार था, सभी उम्र के निवासी इस उल्लास में शामिल हुए। इस कार्यक्रम ने सामाजिकता, नए दोस्त बनाने और सामुदायिक बंधनों को मजबूत करने का एक शानदार अवसर प्रदान किया।इस अवसर पर दिलीप शाह, अंकित बक्शी, प्रदीप संतलानी, वीरचंद, कपिल अरोरा,पारुल शाह, रोशनी संतलानी, सीमर, प्रिशा, पुखराज रैदानी, कर्नल फतेह बहादुर, जे.पी. कनोडिया, महिन्द्रा गुप्ता, कनिष्क दत्ता आदि अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

पंच दिवसीय न्याय दीपिका कार्यशाला का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की संस्कृत संवर्धन योजना के अन्तर्गत अनुदानित पंच दिवसीय न्यायदीपिका कार्यशाला के दूसरे दिन प्रथम सत्र को सम्बोधित करते हुए प्रशिक्षक प्रो. श्रेयांस कुमार सिंघई (सेवानिवृत्त) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर ने 'प्रमाण मीमांसा' पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मिथ्या ज्ञान को हम प्रमाण न माने, इसके लिए हमें बुद्धि को प्रमाण की कसौटी पर कसना पड़ता है। द्वितीय प्रशिक्षक डॉ. शीतलचन्द्र जैन, निदेशक, अनुसंधान केन्द्र, जयपुर ने 'लक्षण-मीमांसा' विषय पर चर्चा करते हुए जैन और जैनेतर दर्शनों में लक्षण के स्वरूप,भेद एवं उनमें आने वाले दोष की समीचीन लक्षण के स्वरूप की मीमांसा की। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि जगतगुरु रामनंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. राजधर मिश्र, मुख्य वक्ता प्रो. वीर सागर जैन (दिल्ली) डॉ. राकेश कुमार जैन (नागपुर) महाविद्यालय के अध्यक्ष एन. के सेठी (सेवानिवृत आइ ए एस), मंत्री महेश चन्द्र जैन चाँदवाड़, प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार जैन एवं संयोजक अनिल जैन (असिस्टेन्ट प्रोफेसर), अन्य गण्यमान्य अतिथियों एवं शिक्षार्थियों ने सहभागिता निभाई।

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

कुलचाराम से बद्रीनाथ
अहिंसा संस्कार पदयात्रा

मनुष्य जीवन मिलना सौभाग्य की बात है..यूं ही खाते पीते, टाइम पास करते मर जाना, दुर्भाग्य की बात है.. और समय से मरना फिर लोगों के दिलों में जिन्दा रहना, ये सत्कर्म, सेवा, परोपकार की बात है..!

आज कल सबका व्यवहार हाथी के दांत जैसा हो गया है, खाने के और -- दिखाने के कुछ और। दो प्रकार के लोग है इस दुनिया में -- एक सरल मन वाले, दूसरे कुटिल बुद्धि वाले। सरल मन वाला व्यक्ति उस नदी की तरह पवित्र और पावन है, जो निश्छल मन से समुद्र से मिलने के लिए सतत प्रवाह मान हो रही है। जो बह रही है वो नदी है। वह अनेक संकटो से जूझते हुए, गिरते पड़ते बहे जा रही है। सिर्फ एक ही लक्ष्य है अनन्त में विलीन होना और उसका अपना कोई मकसद नहीं है। ऐसे ही सरल मन वाले लोग परमात्म तत्व को उपलब्ध हो जाते हैं। इसलिए निर्ग्रन्थ साधु को यानि दिगम्बर जैन साधु को बालक वत निर्विकारी की उपमा से अलंकृत किया है। दिगम्बर जैन साधु शीशू वत जीवन जीता है। कोई भी मजहब की माता बहिन आ जाये लेकिन दिगम्बर जैन साधु के मन में किंचित भी विषय, विकार, वासना का भाव नहीं आता। सभी माता बहिनों के प्रति सम दृष्टि रखता है।

एक गीत आपने सुना होगा...

ओह रे-ताल मिले नदी के जल से, नदी मिले सागर से, सागर मिले कौन से जल से कोई जाने ना --- ओह रे !

दूसरे हैं कुटिल बुद्धि के लोग - जो हमेशा अपने किसी ना किसी उधेड़ बुन में मशगूल रहते हैं, इसकी टोपी उसके सर पे, उसकी टोपी इसके सिर पे जिनका काम होता है। आज देश और समाज में अच्छे लोग भी खोटा सिक्का चलाने की दौड़ में दम लगाकर दौड़ रहे हैं। इस शाश्वत सत्य को स्वीकार करो कि वो हमको हर पल देख रहा है। हम खुद और खुदा की नजरों से कभी बच नहीं सकते... !

-नरेंद्र अजमेरा,
पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

जैन सोशल ग्रुप प्लेटिनम ने मनाया फैमिली स्पोर्ट्स डे

उदयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप प्लेटिनम के संस्थापक अध्यक्ष जितेन्द्र हरकावत ने बताया कि ग्रुप का फैमिली स्पोर्ट्स डे चौधरी स्पोर्ट्स एकेडमी में आयोजित किया गया। जिसमे विभिन्न स्पोर्ट्स के साथ क्रिकेट में पुरुष सदस्यों की चार टीम हिट मशीन, बॉल बस्टर्स, ब्लैक पैंथर्स व पावर हिटर्स एवं महिला सदस्यों की चार टीम जे एस जी क्वींस, ब्ल्यू आर्मी, ब्लैक वॉरियर्स व रॉकिंग पिंक पैंथर्स तथा 10 वर्ष से 18 वर्ष के बच्चों की दो टीम देसी ड्रैगन्स व देसी डायनासोर्स के बीच क्रिकेट प्रतियोगिता रखी गई। ग्रुप अध्यक्ष विपिन जैन ने बताया कि कार्यक्रम कि शुरूआत नवकार मंत्र व राष्ट्रगान के साथ हुई। टीमों को ग्रुप के 4 सदस्यों तन्नू ब्यूटी पॉइंट, कमलेश वानावत, जैनिकाम एवं सरस्वती फार्मा द्वारा स्पॉन्सर किया गया। 5 से 10 वर्ष व 10 से 15 वर्ष के बच्चो की कैटेगरी में हर्डल रेस व महिला सदस्यो के लिए थ्री लैग रेस साथ ही 6 से 10 वर्ष के बच्चों के रस्सा कसी का आयोजन किया गया। क्रिकेट के अंतगर्त महिला एवम पुरुष सदस्यों में 2-2 लीग मैच खेले गए। पुरुष वर्ग का फाइनल मैच टीम बॉल बस्टर्स व पावर हिटर्स में खेला गया जिसमें टीम बॉल बस्टर्स विजेता रही वही महिला वर्ग का फाइनल मैच टीम ब्लैक वॉरियर्स व ब्ल्यू आर्मी में खेला गया जिसमें टीम ब्लैक वॉरियर्स विजेता रही। बच्चो की टीम में देसी डायनासोर्स टीम विजेता रही। कुल 7 प्लेयर ऑफ द मैच के पुरस्कार में प्रथम लीग मैच में प्रीतेश जैन, द्वितीय लीग मैच में संदीप जैन, पुरुष फाइनल में मेन ऑफ द मैच सौरभ सोनी, प्रथम महिला लीग मैच में वूमन ऑफ द मैच सूची जैन, द्वितीय महिला लीग मैच में वूमन ऑफ द मैच पूनम जैन, फाइनल मैच में वूमन ऑफ द मैच गार्गी वानावत साथ ही मेन ऑफ द सीरीज प्रशम जैन एवं वूमन ऑफ द सीरीज पूनम जैन व बच्चों की टीम से मेन ऑफ द मैच तनय शाह, बेस्ट बैट्समैन यश जैन एवं बेस्ट बॉलर फ्रेनिल जैन रहे, सभी को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। थ्री लैग रेस की विजेता प्रथम,द्वितीय व तृतीय क्रमशः दिव्यांशी-प्रियांशी धन्नावत, माही - निवांशी, प्रियांशी - शीरी रही, 6 से 9 वर्ष की हर्डल रेस के विजेता प्रथम, द्वितीय व तृतीय क्रमशः येदांश जैन, नायशा जैन, एकांश जैन रहे, 10 से 15 वर्ष के विजेता प्रथम,द्वितीय व तृतीय क्रमशः युगान जैन, मानस जैन व लक्षित जैन रहे, 3 से 5 वर्ष के बच्चों की रेस की विजेता प्रथम, द्वितीय व तृतीय क्रमशः नित्या जैन, निर्वी जैन व शौर्य जैन रहे। सचिव सुमित खाब्या ने बताया की अंपायर पैनल में मनोज जैन, आशीष कीकावत, कल्पेश जैन, संदीप टीमरवा, संदीप जैन, गीतेश जैन, सौरभ सोनी, मैच स्कोरर कपिल जैन, कॉमेंटेटर टीम में कमलेश जैन, आशीष मेहता व तनुजय जैन द्वारा मनोरंजन के साथ कमेंट्री की गई। सभी गेम्स के पश्चात ग्रुप की जनरल मीटिंग जिसमें पूर्व कार्यक्रमों एवं प्रस्तावित कार्यक्रमों की जानकारी अध्यक्ष विपिन जैन द्वारा दी गई। प्रतिवर्ष की तरह वर्ष 2025 के वार्षिक कैलेंडर बनाने की घोषणा की गई एवं कार्यकाल 25- 27 के चुनाव के लिए चुनाव अधिकारी रमेश जैन को नियुक्त किया गया। सभी विजेता टीमों को ट्रॉफी एवं मैडल द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष जितेन्द्र हरकावत, अध्यक्ष विपिन जैन ,पूर्व अध्यक्ष प्रीतेश जैन, मुकेश चपलोत, आशीष रत्नावत, उपाध्यक्ष तनुजय जैन, सह सचिव लोकेश जैन, कोषाध्यक्ष पंकज जैन, पी आर ओ एडमिन हेमेंद्र जैन सहित कुल 160 सदस्यो की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में सचिव सुमित खाब्या द्वारा सभी सदस्यों का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

परमात्मा के दर्शन अपनी आत्मा के दर्शन जैसा होना चाहिएः साध्वी सम्यग रेखा श्रीजी

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

रामगंजमंडी के बाजार नंबर 3 में स्थित श्री आदिनाथ जैन श्वेतांबर मंदिर में विचक्षण शिशु परम पूज्य प्रवर्तनी तिलक श्री जी महाराज साहब परम पूज्य महाराष्ट्र ज्योति मंजुला श्री जी महाराज साहब की शिष्याए सम्यग रेखा श्रीजी एवम सुवर्णयशा श्री जी का मंगल प्रवेश हुआ साध्वी सम्यग रेखा श्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि मनुष्य परमात्मा ने जैसी आराधना बताई वैसी नहीं करता है। मंदिर में केवल परमात्मा के दर्शन करने नहीं जाना चाहिए वरन मै भी परमात्मा कैसे बनूं यह सोच रख कर जाना चाहिए परमात्मा का दर्शन अपनी आत्मा के दर्शन जैसा होना चाहिए मनुष्य परमात्मा के दर्शन और पूजा कई वर्षों से कर रहा है लेकिन मिला कुछ नहीं मोक्ष सब कहते हैं लेकिन मोक्ष कैसा है और कैसे मिलेगा इस पर मनुष्य सोचता नहीं है मनुष्य भव मिलना मतलब मोक्ष का टिकिट मिलने के समान है। **उपाश्रय का उदघाटन:** साधु साध्वियों के ठहरने पौषध, सामायिक, प्रतिक्रमण जहां किया जाता है उसे उपाश्रय कहा जाता है। 50 वर्ष पूर्व बने हुए उपाश्रय का नवीनीकरण करके उसे आधुनिक मात्र 25 दिनों में बनाने पर साध्वी सम्यग रेखा श्रीजी ने कहा कि साधु साध्वी पैदल विहार करती हैं। थकान हो जाती है। मंदिर में भगवान की प्रतिमा और दादाबाड़ी में दादा गुरुदेव की प्रतिमा के दर्शन करने से आधी थकान दूर हो जाती है। अगर अच्छा उपाश्रय मिल जावे तो साधु साध्वी की पूरी थकान दूर हो जाती है।उपाश्रय बनाने के फायदे बताते हुए साध्वी ने कहा कि साधु साध्वी को ठहरने की जगह बनाने जहां अनगिनत सामयिक, पौषध और प्रतिक्रमण होते हैं जो व्यक्ति या संघ उपाश्रय बनाते हैं उन्हें अनगिनत लाभ मिलता है। सामायिक का महत्व बताते हुए साध्वीजी ने कहा कि समता भाव से की गई सामायिक ही लाभकारी होती है घर की जगह सामायिक उपाश्रय में करनी चाहिए सामायिक पूनिया श्रावक की तरह करनी चाहिए। पूनिया श्रावक की सामायिक की बडाई स्वयं भगवान महावीर स्वामी ने की थी। आदिनाथ श्री संघ अध्यक्ष राजकुमार पारख की तारीफ करते हुए साध्वी सम्यग रेखा श्रीजी और साध्वी सुवर्ण यशा जी ने कहा कि यहां के अध्यक्ष बहुत अच्छे कार्य कर रहे हैं लेकिन खुद पीछे रहकर दूसरों को आगे लाकर सम्मान करवाते हैं। श्री आदिनाथ जैन श्वेतांबर श्री संघ अध्यक्ष राजकुमार पारख ने बताया कि नवीन उपाश्रय के उदघाटन में साध्वी मंडल ने श्लोक पढ़कर वासशेप डाला, वहीं पुरुष वर्ग के गेट का फीता काटकर उदघाटन श्वेतांबर समाज के वरिष्ठ श्रावक प्रेमचंद छाजेड, प्रेमचंद पारख, सागरमल बीजावत, दिगंबर समाज के पूर्व अध्यक्ष अजीत कुमार सेठी ने किया। वहीं महिला वर्ग के गेट का फीता श्वेतांबर समाज की वरिष्ठ श्राविका कमला देवी बोथरा, प्रमिला बाफना, सुशीला चतर ने किया। प्रातः 7:00 बजे आदर्श विद्या मंदिर स्कूल पहुंची दोनों साध्वियों का सकल श्रीसंघ ने गवली बनाकर अगवानी की ढोल नगाड़ों से साध्वी मंडल को मंदिर लाया गया रास्ते में दिलीप तिल्लानी,राजकुमार पारख, सुभाष बाफना ने अपने घरों के सामने गवली से दोनों साध्वियों का अभिनंदन कर आशीर्वाद लिया। साध्वी मंडल ने मंदिर में सर्वप्रथम आदिनाथ भगवान के दर्शन एवं दादाबाड़ी में दादा गुरुदेव के दर्शन किये और क्रिया की साध्वी सुवर्ण यशा श्री जी ने सुंदर भजन सुनाया। 3 घंटे चले धार्मिक कार्यक्रम में सबसे अंत में चातुर्मास कमेटी जो सन 2022 में गुणरंजना श्री जी के चातुर्मास में बनी थी उनकी तरफ से नवकारसी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में दिगंबर समाज के अध्यक्ष दिलीप विनायका, संरक्षक व्यापारसंघ केवलचन्द लुहाड़िया, महावीर जैन मंदिर अध्यक्ष महेंद्र ठोरा, राजकुमार गंगवाल, धर्मेंद्र लुहाड़िया, कमल लुहाड़िया,निर्मल सांवला, विजय हरसोरा, देवेंद्र जैन, स्थानकवासी श्री संघ से मंत्री अजीत पारख, रूपचंद रूप श्री, संजय बीजावत,संदीप पतीरा, जैसलमेर ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी सुभाष बाफना,दिलीप तिल्लानी, पदमचंद छाजेड़, राजेंद्र रांका, प्रदीप चतर,सुधीर पारख, रवि बाफना, राजकुमार बोथरा, सुरेंद्र रांका, सुशील गोखरू, विनोद डोसी,मोहित छाजेड़, पुरुषोत्तम मोरावाल, सहित सैकड़ो समाज जन और महिला मंडल उपस्थित रहे। भानपुरा जहां दोनों साध्वियों ने चातुर्मास किया वहां से आशा चोरडिया और बबीता गांग उपस्थित हुई।

अभिषेक जैन लुहाड़िया
रामगंजमंडी की रिपोर्ट

रिदम रस का पोस्टर लॉन्च हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग फॉर वूमंस भांकरोटा द्वारा शनिवार 23 नवंबर 2024 को आयोजित होने वाले इंटर कॉलेज डांस कंपटीशन 2024का आज यहां कॉलेज प्रांगण में पोस्टर का विमोचन किया गया। संयोजक बसंत जैन बैराठी ने बताया कि विमोचन के समय कॉलेज निदेशक अरिहंत खींचा। रजिस्ट्रार मोना भल्ला, प्रॉक्टर रोशन चौधरी, अतिथि के रूप में पधारी मिस दिवा राजस्थान वैष्णवी सुथार, कोमल सिंह व अन्य अतिथियों के मध्य विमोचन किया गया। कॉलेज निदेशक अरिहंत खींचा ने बताया कि राजस्थान कॉलेज आफ इंजीनियरिंग और वूमेंस द्वारा यह प्रतियोगिता प्रतिवर्ष आयोजित कि जाती है। इस प्रतियोगिता में करीब 25 कॉलेज की टीम भाग ले रही है। रजिस्ट्रार मोना भल्ला ने बताया कि इस कार्यक्रम में शहर के गण मान्य अतिथियों को भी आमंत्रित किया गया है संयोजक बसंत जैन ने आगे बताया कि विजेताओं को दो कैटेगरी में प्रथम द्वितीय तृतीय पुरस्कार में ट्रॉफी प्रदान की जाएगी तथा सभी पार्टिसिपेंट्स को सर्टिफिकेट भी दिए जाएंगे।

क्या प्राइवेट अस्पताल के डॉक्टर ईमानदारी से काम करते हैं?

मैंने 20 साल प्राइवेट अस्पताल में काम किया और 10 साल से सरकारी अस्पताल में कार्यरत हूं। इस अनुभव के आधार पर ये कह सकता हूँ कि चिकित्सा सेवा में डॉक्टर की ईमानदारी को मापने का तरीका ज्यादातर दुराग्रहों से भरा रहा है। अधिकतर लोगों की नजर में ईमानदार डॉक्टर वो है जो कम से कम फीस ले, आप दिन रात किसी भी समय फोन कर दें तो उसका तुरंत जवाब दें, अगर हमने एक बार दिखाया है तो हमें फोन पर ही अगली बार से सारा इलाज बता दें और सस्ती दवाई भी लिखें और हो सके तो सैंपल की दवाई भी दे दें एवं बाजार से परचेज करने हेतु किसी भी कम्पनी की दवाई ना लिखें। सबने एक सदाशय ठप्पा लगा रखा है कि डॉक्टर को सेवा करनी चाहिए फिर डॉक्टर का घर कैसे चलेगा ये कोई नहीं बताता? जिन कामों के लिए दूसरे प्रोफेशनल्स को इज्जत की नजर से देखा जाता है उन्हीं कामों के लिए डाक्टर को चोर बोल देते हैं! जैसे कि ज्यादा तनख्वाह लेने पर बाकी लोग टैलेंटेड हैं किन्तु डाक्टर बेइमान है, इसी तरह किसी कम्पनी के साथ टाई-अप करके उस कम्पनी की सेल्स मे मदद करना और कमीशन लेने पर बाकी लोग विजनरी, अच्छे बिजनेसमैन होते हैं किन्तु डॉक्टर चोर बताये जाते हैं। भारत सरकार के नियमों के अनुसार चिकित्सालय एवं चिकित्सक दोनों ही व्यवसाय की सीमा में आते हैं जिस दर से बिजली का बिल किसी फैक्ट्री को देना होता है उसी दर से एक अस्पताल को भी देना होता है। जिस तरह से किसी भी कम्पनी के विरूद्ध उपभोक्ता न्यायालय में वाद दायर किया जा सकता है उसी तरह अस्पताल के खिलाफ भी किया जा सकता है। ईमानदारी का पैमाना डॉक्टर की फीस, या उसके द्वारा कराई गई जाँचों की कीमत नहीं होनी चाहिए, इलाज के समय आपको आपकी पीड़ा के विषय में सही और पारदर्शी तरीके से जानकारी दी गई या नहीं, इलाज के समय या कोई जाँच करवाते समय आपको उस इलाज/जाँच के विषय में जानकारी दी गई या नहीं इन बातों से डॉक्टर को परखिए तो आपको पता लगेगा कि ईमानदारी से कार्य करने वाले डाक्टर समाज में आज भी बहुत हैं। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई डॉक्टर सरकारी में है या प्राइवेट अस्पताल में है ये डॉक्टर का स्वविवेक होता है कि वो कैसे काम करता है क्योंकि मैंने सरकारी अस्पताल में भी मरीज से पैसे लेकर ऑपरेशन की तारीख पहले देते हुए देखा है और प्राइवेट

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर।

प्रैक्टिस में गरीब मरीजों की पूरी फीस छोड़ने के साथ साथ सैंपल की फ्री दवाई भी कई डॉक्टर को देते देखा है। चिकित्सकीय पेशा सदैव ही मानवीय करुणा से जुड़ा हुआ प्रोफेशन रहा है और रोगी के प्रति मानवीय सेवा भावना व्यवहार पूर्वक रुग्ण की पीड़ा को दूर करना ही चिकित्सक को यश कीर्ति प्रदान करके श्रेष्ठ डॉक्टर का दर्जा दिलाता है!

विज्ञातीर्थ क्षेत्र पर गुरुमां विज्ञाश्री माताजी का केशलोंच संपन्न हुआ

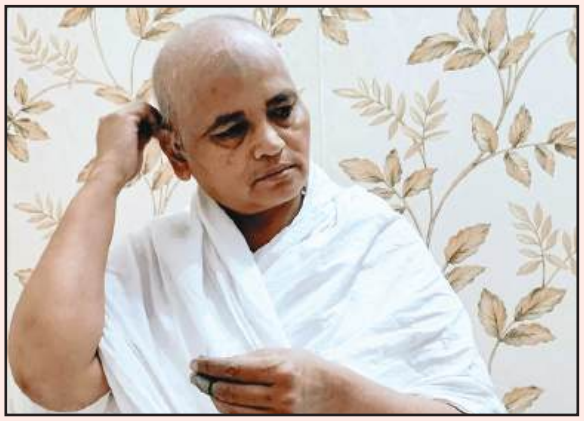

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी राजस्थान में विराजमान परम पूज्य भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरुमां 105 विज्ञाश्री माताजी की आज केशलोंच क्रिया संपन्न हुई। अहिंसा व्रत के पालन हेतु पूज्य माताजी ने अपने बालों को घास के समान अपने हाथ से उखाड़कर उत्कृष्ट चर्या का परिचय दिया। सभी श्रद्धालुओं ने पूज्य माताजी के चरणों में नमन करते हुए संगीत में भक्ति की। निमार्णाधीन सहस्त्रकूट जिनालय के नींव खुदाई का कार्य शीघ्र गति से चल रहा है। पूज्य माताजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहां कि साधु संकल्प शक्ति के बल पर कठिन से कठिन साधना भी आसानी से कर लेता है। यह कोई चमत्कार नहीं बल्कि अंतरंग की संकल्प शक्ति को जागृत करना है। छुपी हुई अंतरंग की शक्ति का उद्घाटन कराने वाला जैन दर्शन आध्यात्मिकता में उतरने का रास्ता दिखाता है। किसी से मोक्ष मार्ग प्रशस्त होता है। सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ क्षेत्र के परम शिरोमणि संरक्षक जितेंद्र जैन भोपाल एवं मुकेश बनेठा सपरिवार ने पूज्य आर्यिका संघ की आहार चर्या कराने का सौभाग्य प्राप्त किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

पुरुष दिवस

जैकेट

छींटदार कुर्ते पर
तुम्हें सजाता प्यारा सा जैकेट,
कितने आकर्षक लगते हो तुम !
तुम्हारे व्यक्तित्व पर
मानो आकर्षण जड़ दिया गया हो।
एक तो तुम मोहक हो,
उसपर तुम्हें दैदीप्यमान बनाता जैकेट
और अपनी गरिमा अपने व्यक्तित्व से
एकदम अपरिचित तुम,
ऐसे ही हो जैसे -
दूर जंगल में किसी घास पर उगा हुआ
सम्मोहन बिखेरता फूल,
जैसे झरने से गिरती
मोतियों के तरह सी बूंदें,
जैसे अमोले पर
आए हुए नये आम्रपल्लव,
जैसे जीवों को मोहित करती महामाया,
जैसे साधक का ईष्ट,,,
कहो तो, मैं क्या कर सकती हूँ ?
कैसे बच सकती हूँ ?
बस अभिभूत होती हूँ तुम्हें देखकर,,
बढ़ती जाती है मेरी आसक्ति।
तुम्हें देख कर मैंने जाना है कि
सृष्टि में प्रकृति ही नहीं,
पुरूष भी आकर्षक होते है

डॉ नीलिमा पाण्डेय
मुंबई

दिगम्बर जैन मंदिर में वेदी शिलान्यास, दूसरे दिन 400 अर्ध समर्पित

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। यश विहार तिलक नगर में श्री दिगम्बर जैन पार्श्वनाथ मंदिर एवं सेवा ट्रस्ट तिलकनगर के तत्वाधान में तिलकनगर में निमार्णाधीन दिगम्बर जैन मंदिर में वेदी शिलान्यास के चार दिवसीय कार्यक्रम के तहत आज दूसरे दिन राष्ट्रीय संत आचार्य सुन्दर सागर महाराज के मंगल सानिध्य मे कार्यक्रम हुए। दोपहर मे सहसत्रनाम विधान का आयोजन सत्येंद्र एंड पार्टी द्वारा मय भक्ति संगीत के साथ हुआ विधान मे 400 अर्ध समर्पित किये गए। इस अवसर पर आचार्य सुन्दर सागर जी महाराज ने देव शास्त्र गुरु के आत्म तत्व को पहचान सम्यक दर्शन के ज्ञान की प्राप्ति होती है। ट्रस्ट के अध्यक्ष दिनेश सेठिया ने बताया कि दीप प्रज्वलन सौधर्म इंद्र तथा सभी इंद्रो ने, मंगलाचरण, पं सुनील जैन, मंजु पाटोदी , पाद प्रक्षालन महावीर प्रसाद, राजेश पाटनी, जिनवानी भेट चेनसुख, सुशील कुमार काला तथा शाम की आरती का सौभाग्य महावीर दिनेश विजय गोधा परिवार को प्राप्त हुआ । आचार्यश्री के प्रवचन प्रातः 8.30 बजे, दिन में 12.30 बजे विधान एवं सांय को 6.15 बजे शंका समाधान एवं इसके पश्चात् गुरूभक्ति आरती नियमित रहेगी। मीडिया प्रभारी भागचंद् पाटनी ने बताया की 21 नवम्बर गुरुवार को वेदी शिलान्यास, शिखर शिलान्यास, नवीन दिगंबर जैन मदिर जी में प्रातः 8 बजे आचार्य सुंदर सागर जी ससंघ के सानिध्य मे होगी।

बारहवां प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

बण्डा विधानसभा के दो सौ छात्रों, विधायक, डीईओ, तीन पत्रकारों को मिला सम्मान

मनीष विद्यार्थी सागर. शाबाश इंडिया

शाहगढ। बुंदेलखंड के गौरव आचार्य श्री देवनंदी जी महाराज की प्रेरणा से तहसील प्रेस क्लब द्वारा आयोजित विधानसभा स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह एवं पत्रकार सम्मेलन नगर भवन में भारी जनसमुदाय के बीच संपन्न हुआ स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय सागर, भारतीय स्टेट बैंक शाहगढ के प्रयोजन में प्रतिभागियों के आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बंडा विधायक वीरेंद्र सिंह लंबरदार और कुलाधिपति एसवीएन सागर डॉ अजय कुमार तिवारी के अलावा विशिष्ट अतिथि श्रीमती राधा बाबूलाल खटीक नपा अध्यक्ष तहसीलदार जीसी राय, पुनीत जैन नपा उपाध्यक्ष, महेंद्र सिंह महुना , मंडल अध्यक्ष काशीराम यादव महामंत्री मोनू जैन, थाना प्रभारी संदीप खरे , पूर्व सरपंच दामोदर सेठ, अध्यक्षता अभय जैन ने की । दीप

प्रज्वलन एवं सन्मति विद्यालय की बालिकाओं द्वारा स्वागत गीत, अतिथि सम्मान उपरांत मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर से आए डॉ. कृष्ण राव सागर द्वारा करीब एक घंटे तक बच्चों को मार्गदर्शन दिया गया। शिक्षक से बंडा विधायक बने वीरेंद्र सिंह लंबरदार एवं दलपतपुर में जन्में अरविंद जैन जिला शिक्षा अधिकारी सागर को क्षेत्र गौरव की उपाधि से सम्मानित किया गया एवं दैनिक आचरण सागर की प्रबंध संपादक श्रीमती निधि जैन, देशबंधु के प्रबंध संपादक डॉ योगेश दत्त तिवारी सागर न्यूज के हेड शिवा पुरोहित को पत्रकार श्री की उपाधि से सम्मानित किया गया। शाहगढ नगर की भूमि में जन्में डॉ धनंजय तिवारी डॉ शुभम गुप्ता ,डॉ आयुष्मान असाटी,डॉ दिव्या दीक्षित, और इंडियन ईयर फोर्स में सेवाएं प्रदान कर रहे नगर के होनहार बेटा अक्षय शुक्ला को विशिष्ट सम्मान किया गया वहीं बंडा विधानसभा के दो सौ प्रतिभान छात्र छात्राओं का मंच के माध्यम से सम्मान किया गया। तहसील प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रकाश अदावन द्वारा बताया कि प्रतिभागियों को सार्वजनिक मंच के माध्यम से उनकी उपलब्धि योग्यता सेवा का सम्मान हम सभी गांव के पत्रकार 2012 से आयोजित कर रहे हैं,2024 में संपन्न हुए 12 वें प्रतिभा सम्मान समारोह एवं ज्ञानोदय प्रेस अवार्ड कार्यक्रम का संचालन संयोजक मनीष विद्यार्थी, डॉ. अशोक जैन, शिक्षक जगदीश शुक्ला ने किया आभार देव सांधेलिया ने माना।

जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में हॉस्पिटल केयर टेकर के रूप में डॉक्टर लुनिका टाक ने कार्य ग्रहण किया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में आरपीएससी द्वारा चयनित हॉस्पिटल केयर टेकर डॉक्टर लुनिका टाक ने अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। यह पद पूर्व में कई सालों से रिक्त था, और निदेशालय द्वारा चिकित्सालयों के रख-रखाव और देखरेख, मेंटेनेंस, साफ-सफाई, सिविल वर्क के लिए यह भर्ती निकाली गई थी। डॉक्टर लुनिका टाक, जो पेशे से दंत चिकित्सक हैं, इन्होंने आर पी एस सी की परीक्षा में 8 वी रैंक हासिल कर यह मुकाम हासिल किया है इन्होंने जयपुर के आईआईएचएमआर से हॉस्पिटल मैनेजमेंट का कोर्स किया है। उन्होंने पहले महात्मा गांधी हॉस्पिटल, जयपुर का पूरा मैनेजमेंट संभाला था। चिकित्सालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर अनिल समारिया और अधीक्षक डॉक्टर अरविंद खरे के समक्ष डॉक्टर लुनिका तक ने अपनी ज्वाइनिंग दी और कार्य ग्रहण किया। उन्होंने बताया कि वे शीघ्र ही अस्पताल के मैनेजमेंट से संबंधित सभी कार्यों को देखकर व्यवस्था बनाने में सहयोग करेंगी। उप अधीक्षक डॉ अमित यादव ने बताया कि चिकित्सा प्रशासन द्वारा डॉक्टर लुनिका टाक का स्वागत किया गया। उनकी नियुक्ति से चिकित्सालय के रख-रखाव और देखरेख में चिकित्सा प्रशासन को सहयोग मिलेगा और मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकेगी ।

मतदाता सूचियों के संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर बैठक संपन्न

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। अहंर्ता दिनांक 1 जनवरी 2025 के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मंगलवार को अपरान्ह उपखण्ड अधिकारी कार्यालय के सभागार में ईआरओ (एसडीएम) देवीलाल यादव की अध्यक्षता में क्षेत्र के समस्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारीयों एवं बीएलओ सुपरवाईजर के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अब तक हुए पुनरीक्षण कार्यों की समीक्षा की गई। यादव ने संबंधित अधिकारियों एवं सुपरवाईजरों को निर्वाचन कार्यों की सतत निगरानी एवं अत्यधिक नव मतदाताओं के पंजीकृत करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में समस्त सुपरवाईजरो के साथ पीसांगन एसडीम राजीव बडगूर्जर, पीसांगन तहसीलदार भागीरथ, नसीराबाद तहसीलदार ममता यादव व श्रीनगर नायब तहसीलदार अजयपाल भी उपस्थित थे।

जनमानस के हृदय सम्राट, जयपुर जाट हॉस्टल के संस्थापक

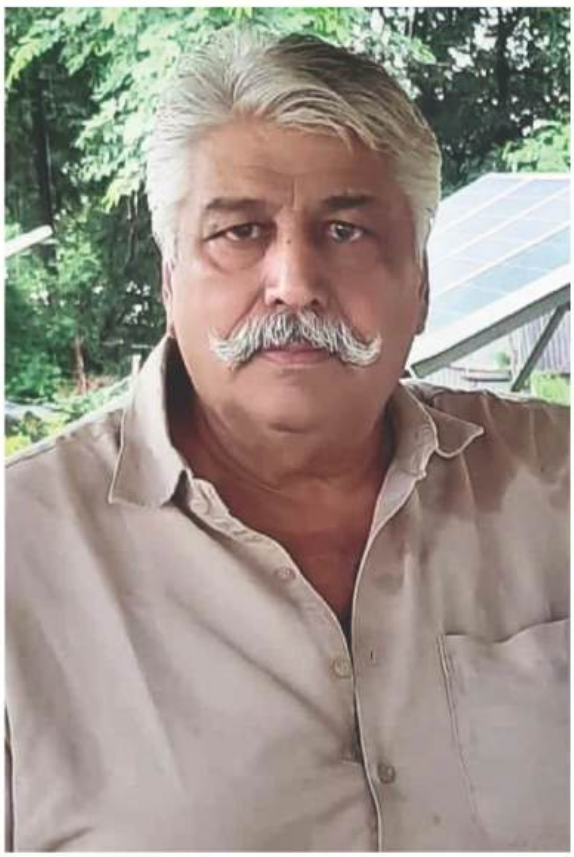

श्री विजय पूनिया जी भाई साहब

को

75वें जन्मदिवस

की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

Happy Birthday

शुभेच्छु

राकेश संघी

राकेश गोदिका

संपादकः शाबाश इंडिया